मध्य प्रदेश
विधान सभा

स मा चा र

सत्तासुख त्याग कर वंचितों की सेवा करने वाले संत थे नानाजी : श्री गौतम

भारतरत्न स्व. नानाजी देशमुख की 12 वीं पुण्यतिथि पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

भोपाल, 27 फरवरी। मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष माननीय श्री गिरीश गौतम रविवार को दीनदयाल शोध संस्थान एवं महात्मा गांधी ग्रामोदय विश्वविद्यालय द्वारा चित्रकूट में भारत रत्न राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख की १२ वीं पुण्यतिथि पर आयोजित 2 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी " नानाजी की द्रष्टि में राष्ट्र निर्माण: राष्ट्रीय शिक्षा नीति-२०२० के परिदृश्य में आज" में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में संत रामदास जी अध्यक्ष अखाड़ा परिषद एवम श्री वी. डी शर्मा अध्यक्ष भाजपा मध्यप्रदेश, श्री विजय शाह वन मंत्री, श्री कमल पटेल कषि मंत्री, सुश्री ऊषा ठाकुर मंत्री पर्यटन,श्री इंदर सिह परमार राज्य मंत्री शिक्षा, श्री रामखेलावन पटेल राज्य मंत्री पंचायत, श्री अभय महाजन नानाजी संस्थान सहित विभिन्न विश्वविद्यालय के कुलपति एवं गणमान्य जन उपस्थित थे।

संगोष्ठी में अपने संबोधन के दौरान श्री गिरीश गौतम ने कहा कि नानाजी देशमुख सही मायनों में राष्ट्र संत थे, उन्होंने राजनैतिक सत्ता सुख को त्याग करके तपस्या के बल पर सेवा और ग्रामोत्थान का एक नया अध्याय लिखा है। नानाजी का ध्येय वाक्य था- अपने लिए नहीं, अपनों के लिए जिओ। इसमें नानाजी अपने समाज के उस वंचित वर्ग को मानते थे जो विकास की दौड़ में पिछड़ गया हो। नानाजी ने अपना पूरा जीवन ऐसे वंचित वर्ग के उत्थान में होम कर दिया, इसलिए वे पूज्यनीय हैं।
नई शिक्षा नीति पर अपने विचार व्यक्त करते हुए श्री गौतम ने कहा कि यह शिक्षा नीति भारत भविष्य की नींव रखने वाली है। हमारी नई शिक्षा नीति छात्रों को स्वावलंबन की ओर ले जाने वाली है। श्री गौतम ने नई शिक्षा नीति को सबसे पहले लागू करने पर मध्यप्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री को बधाई भी दी । श्री गौतम ने कहा कि भारत में अब तक अंग्रेजो के जमाने की मैकाले की शिक्षा नीति चल रही थी, उस शिक्षा नीति ने हमारे देश के गुरूकुलों को खत्म कर दिया था।

कार्यक्रम में शिक्षाविद, निगम / मंडल अध्यक्ष तथा सांसद,विधायक,पूर्व विधायक, संतगण, स्थानीय जनता और भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं सहित सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी भी उपस्थित थे ।

वि.स./ज.स./22

(नरेन्द्र मिश्रा)
अवर सचिव

दूरभाष : जनसंपर्क शाखा: (+91-755) 2523065, 2523028, 2440221 फैक्स: (+91-755) 2440238
ई-मेल : vidhansabha-mp@nic.in वेबसाइट : http://www.mpvidhansabha.nic.in